K. Vaikunth, Cinematographer

Vaikunth Dattaram Kunkolienkar was born in 1925 at Margao. K. Vaikunth began his career as an assistant to cinematographer Surendra Pai on D.D. Kashyap's Bari Behen (1949). In an era when senior cameramen rarely shared technical knowledge, he learned the craft through perseverance and dedication.

Rising steadily through the ranks, Vaikunth received his first major break within seven years with Garam Coat (1955). The film was his first independent feature as cinematographer and established him as a technically skilled and innovative cameraman. His reputation continued to grow, and 1971 marked one of his biggest successes with Mere Apne, the year's major hit. Directors admired K. Vaikunth for his deep technical knowledge, disciplined work ethic and mastery of lighting. His documentary experience strengthened his natural, fluid approach to cinematography, and leading actresses such as Suchitra Sen, Jaya Bhaduri and Hema Malini credited him with enhancing their on-screen appearance.

Beyond feature films, Vaikunth made significant contributions to documentaries and advertising films. He collaborated regularly with noted documentary filmmakers. His early documentaries The Story of Kashmir and The Great Betrayal on the Indo-China war, earned him President's Medals. In 1956, his documentary And Miles to Go won the Bengal Tiger Award. He further expanded his creative pursuits by directing and producing films under his own banner, K Vaikunth Films. His work included several documentaries on Goa such as Goa After Liberation, Goa Marches On, and the acclaimed Aamche Bhau, based on the life of Goa's first Chief Minister, Dayanand Bandodkar.

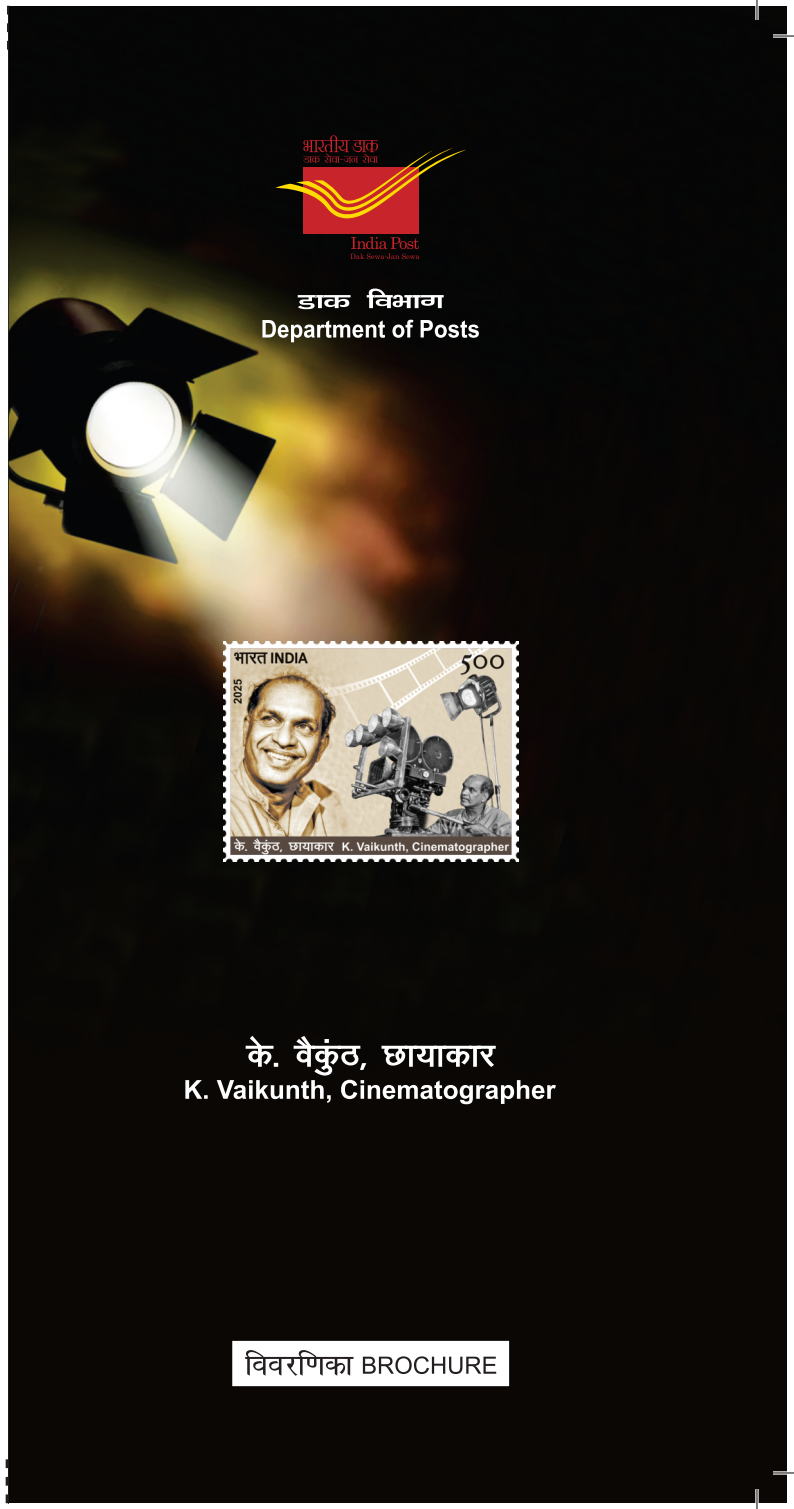
Known for his humility, simplicity and tireless energy, K. Vaikunth remained grounded despite achieving remarkable success, including five silver jubilee hits between 1971 and 1973. Always seen in his trademark kurta-pyjama, he was admired not only as a master cinematographer but also as a warm, engaging personality who valued conversations and human connections. K. Vaikunth passed away in 2003 at 78 years of age.

From a struggling beginner to a celebrated cinematographer, K. Vaikunth brought respect and dignity to his profession. The Department of Posts is pleased to release a Commemorative Postage Stamp on Birth Centenary of K. Vaikunth celebrating his legacy and invaluable contributions to Indian cinema.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/: Shri Brahm Prakash
Cancellation Cachet:

Text : Based on the content provided by NFDC, Ministry of Information & Broadcasting



के. वैकुंठ, छायाकार

वैकुंठ दत्ताराम कुनकोलिएंकर का जन्म वर्ष 1925 में मडगांव में हुआ था। के. वैकुंठ ने अपने करियर की शुरुआत डी.डी. कश्यप की फिल्म 'बड़ी बहन' (1949) में छायाकार 'सुरेंद्र पई' के असिस्टेंट के रूप में की। ऐसे कालखंड में, जब सीनियर कैमरामैन बमुश्किल ही 'तकनीकी ज्ञान' साझा किया करते थे, के. वैकुंठ ने अपनी अटूट प्रतिबद्धता और लगन से यह शिल्प सीखा।

अपने कठोर परिश्रम के बल पर निरंतर आगे बढ़ते, के. वैकुंठ को उनका पहला बड़ा ब्रेक सात वर्ष के भीतर फिल्म 'गरम कोट' (1955) से मिला। यह फिल्म छायाकार के रूप में उनकी पहली स्वतंत्र फीचर फिल्म थी और इसने उन्हें तकनीकी रूप से कुशल और नवोन्मेषी कैमरामैन के रूप में स्थापित किया। समय के साथ–साथ उनकी प्रतिष्ठा बढ़ती रही। वर्ष 1971 उनके सफलतम वर्षों में से एक रहा। इसी वर्ष उनकी सबसे बड़ी हिट फिल्म 'मेरे अपने' रिलीज हुई। के. वैकुंठ अपने गहन तकनीकी ज्ञान, अनुशासित कार्यशैली और 'प्रकाश व्यवस्था' की कला में निपुणता के लिए निर्देशकों द्वारा प्रशंसित रहे। डॉक्यूमेंट्री निर्माण के क्षेत्र में के. वैकुंठ के व्यापक अनुभव ने छायांकन की उनकी नैसर्गिक और सहज कार्यशैली में उनके विश्वास को दृढ़ता प्रदान की, और सुचित्रा सेन, जया भादुरी तथा हेमा मालिनी जैसी प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों ने उन्हें पर्दे पर उनकी उपस्थिति को निखारने का श्रेय दिया।

फीचर फिल्मों के अलावा, वैकुंठ ने डॉक्यूमेंट्री और विज्ञापन फिल्मों में भी अहम योगदान दिया। उन्होंने जाने–माने डॉक्यूमेंट्री फिल्मकारों के साथ नियमित रूप से काम किया। उनकी शुरुआती डॉक्यूमेंट्रीज़, 'द स्टोरी ऑफ कश्मीर' और भारत–चीन युद्ध पर आधारित 'द ग्रेट बिट्रेयल' शामिल थीं, के लिए उन्हें राष्ट्रपति पदक प्राप्त हुए। 1956 में, उनकी डॉक्यूमेंट्री 'एंड माइल्स टू गो' को बंगाल टाइगर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। तत्पश्चात, के. वैकुंठ ने अपने स्वयं के बैनर, 'के. वैकुंठ फिल्म्स' के अंतर्गत फिल्मों के निर्देशन और निर्माण के जरिए अपनी सृजनात्मकता को व्यापक फलक प्रदान किया। इसके अलावा, उन्होंने गोवा पर आधारित कई डॉक्यूमेंट्रीज़ भी बनाईं, जिनमें 'गोवा आफ्टर लिबरेशन', 'गोवा मार्चेज ऑन', और गोवा के पहले मुख्यमंत्री 'दयानंद बंदोदकर' के जीवन पर आधारित सुप्रसिद्ध फिल्म 'आमचे भाऊ' शामिल रहीं।

अपनी विनम्रता, सादगी और ऊर्जस्विता के लिए मशहूर के. वैकुंठ वर्ष 1971 और 1973 के बीच पांच सिल्वर जुबली हिट देने सहित उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करने के पश्चात भी जमीन से जुड़े रहे। सदैव अपने ट्रेडमार्क कुर्ता–पायजामा में नजर आने वाले के. वैकुंठ न केवल एक कुशल छायाकार के रूप में बल्कि संवाद और मानवीय संबंधों को महत्व देने वाले मिलनसार, आकर्षक व्यक्तित्व के रूप में भी सराहे जाते थे। के. वैकुंठ का 2003 में 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

शुरुआती संघर्ष से लेकर सुविख्यात छायाकार के रूप में स्थापित होने तक, के. वैकुंठ ने छायांकन के अपने पेशे के लिए अप्रतिम सम्मान और प्रतिष्ठा अर्जित की। डाक विभाग, के. वैकुंठ की जन्म शताब्दीके अवसर पर उनकी विलक्षण विरासत और भारतीय सिनेमा में उनके अतुलनीय योगदान के सम्मान स्वरूप स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए हर्ष का अनुभव करता है।

आभार :

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/विरूपण कैशे : श्री ब्रह्म प्रकाश

पाठ : एन.अफ.डी.सी., सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा प्रदत्त सामग्री से संदर्भित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500p
मुद्रितडाक–टिकटें	: 303625
Stamps Printed	: 303625
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

©डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

©Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00